15.09½ hrs.

BUSINESS ADVISORY COMMITTEE
THIRD REPORT

Dr. Ram Subhag Singh: Sir, I beg to move:

"That this House agrees with the Third Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 20th June, 1967."

Mr. Speaker: The question is:

"That this House agrees with the Third Report of the Business Advisory Committee presented to the House on the 20th June, 1967."

The motion was adopted.

15.10 hrs.

DEMANDS FOR GRANTS—RAILWAYS, 1967-68—*contd.*

Mr. Speaker: The House will now take up further discussion of the Demands for Grants of the Railways. Shri Brij Bhushan Lal will continue his speech.

श्री बृज भूषण लाल (बरेली) : अध्यक्ष महोदय, कल मैं बरेली जंक्शन रेलवे स्टेशन के बारे में, जो कि लखनऊ और दिल्ली की मेन लाइन के ऊपर है और बड़ा इम्पार्टेन्ट स्टेशन है, जो शिकायात हैं उनको मंत्री महोदय की नोटिस में ला रहा था। वहां पर ओवरब्रिज बनने का जहां तक सवाल है, वह तो मैं ने कल बतलाया।

15.11 hrs.

[MR. DEPUTY-SPEAKER *in the Chair*]

दूसरी बात जो मैं मंत्री महोदय की नोटिस में लाना चाहता हूं वह यह है कि वहां पर जो थर्ड क्लास के पैसेन्जरों के लिये वेटिंग रूम है वह उनकी जरूरियात को पूरी नहीं कर रहा है, जिसकी वजह से तीसरे दर्जे के पैसेन्जरों को धूप और बारिश से बचने की कोई सहूलियत नहीं है। मैं आपकी तवज्जह इस तरफ दिलाना चाहता हूं कि वहां पर जो जमीन बराबर में पड़ी हुई है उस पर आप एक शेड बनवा दें तो उससे उनकी दिक्कत काफी हद तक दूर हो जायेगी।

वहां पर ठंडा पानी पीने के लिये भी कोई सुविधा नहीं है जिसकी वजह से गर्मियों में पैसेन्जर्स के लिये बड़ी तकलीफ होती है। प्लेटफार्म नं० एक और चार पर ठंडे पानी के लिये जो कूलिंग मशीनें हैं, मुझे बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि वह दो सालों से आउट आफ आर्डर पड़ी हैं। उनके काम में न आने से पैसेन्जरों को बड़ी तकलीफ होती है। वह ठीक हो जायें तो उनको काफी सुविधा हो जाय। आप कृपा करके उनको रिपेयर करवा दें, और वह बहुत थोड़े पैसों में हो जायेगा।

बरेली जंक्शन स्टेशन पर सैनिटरी कंडीशन भी बहुत अबतर हालत में हो रही है। जो चार प्लेटफार्म हैं उन पर दो दो दिन तक सफाई का काम नहीं होता है और काफी तादाद में कूड़ा-करकट देखने में आता है। अगर कभी किसी ट्रेन के इन्तजार में वहां खड़ा होना पड़ता है तो प्लेटफार्म पर खड़ा हो पाना मुश्किल हो जाता है। वहां का जो स्वीपिंग स्टाफ है वह न जाने कहां काम करता है। मालूम ऐसा पड़ता है कि वह ऊंचे स्टाफ के बंगलों और कोठियों पर काम करता रहता है। उस को वहां से ही फुर्सत नहीं मिलती है, स्टेशन की सफाई कैसे करेगा? इतना ही नहीं, जो गाड़ियां साफ करने वाला स्टाफ है वह भी कभी नजर नहीं आता है, जिसका नतीजा यह हो रहा है कि जब गाड़ी वहां से चलती है तो उसकी सफाई नहीं हो पाती है। न रोशनी का ही कोई इन्तजाम होता है और न दूसरा ही कोई इन्तजाम होता है। जो गाड़ियां वहां आ कर खड़ी होती हैं उन की भी सफाई नहीं की जाती।

एक और बड़ी तकलीफ जो वहां पर है वह यह कि बरेली जंक्शन रेलवे स्टेशन पर